राष्ट्रीय सेवा भारती

वार्षिक प्रतिवेदन

2021-22

वयं राष्ट्रांगभूता

हम सब राष्ट्र के अंगभूत हैं, एक–दूसरे के पूरक हैं। हमारे लिए राष्ट्र ही सर्वोपरि है, अतः हम संपूर्ण रूप से राष्ट्र के प्रति समर्पित हैं। मत, पंथ व जाति के भेदभाव से मुक्त होकर राष्ट्र–चिंतन, राष्ट्र–प्रेम, राष्ट्र–विकास, राष्ट्र–हित व राष्ट्र–सेवा ही हमारे जीवन का परम लक्ष्य है। हमारे लिए राष्ट्र सर्वोपरि है, क्योंकि इस राष्ट्र की पहचान ही विश्व बंधुत्व है। किसी भी कठिन घड़ी में, किसी भी प्रकार की आपदा के समय हमारा संपूर्ण अस्तित्व सिर्फ और सिर्फ राष्ट्र को पूर्ण रूप से अर्पित होता है। हम कभी किसी का सहारा नहीं बनते, हम उन्हें हाथ पकड़कर चलाने की बजाय इतना सशक्त कर देना चाहते हैं कि वे अपना सहारा स्वयं बन जाएँ। हम व्यक्तित्व निर्माण की अवधारणा में विश्वास रखते हैं।

We are an embodied part of the nation & complementary to each other. We together form the nation and the nation is our reflection. The nation is foremost, therefore we are whole-heartedly dedicated towards it. Free from religious, sectarian and caste biases. National thinking, love for nation, national development, national interest and service to the nation are our life goals. We put the nation first, as universal brotherhood is the identity of this nation. In moments of difficulty and in times of calamity, we dedicate our life in the service of our beloved nation. Our ultimate goal is thinking for nation, love for nation, development for nation, protecting national interest & serving the nation.

राष्ट्रीय सेवा भारती

वार्षिक प्रतिवेदन 2021–2022

विषय सूची

कार्यवृत 2021-22 1
दृष्टिकोण 2
उद्देश्य 3
मूल्य 4
प्रेरणाश्रोत 5
न्यास मण्डल बैठक 6
सेवागाथा 7
सहयोग 8
महिला सहभागिता 10
किशोरी विकास 12
वैभवश्री 13
जागरण 14
प्रकाशन 15
कॉफी टेबल बुकलेट 16
प्रशिक्षण 17
नवाचार 18
आगामी कार्य योजना 18
पुरस्कार 19
अन्य विशेष कार्य 19
सेवा साधना केन्द्र, झिन्झोली 20
अध्ययन 21
आपदा 22
ट्रस्ट बोर्ड एवं कार्यकारिणी 24

कार्यवृत 2021-22

"नर सेवा नारायण सेवा" का मूल ध्येय लेकर समाज में वंचित, उपेक्षित, आभावग्रस्त एवं पीड़ित लोगों के सर्वांगीण विकास हेतु राष्ट्रीय सेवा भारती सतत कार्यरत है। यह नगरीय झुग्गी–झोपड़ी एवं पुनर्वास बस्तियों में समाज कल्याण कार्यक्रम जैसे निःशुल्क चिकित्सा, निःशुल्क शिक्षा, कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्रों के माध्यम से भी कार्यरत है। देश भर के 903 जिलों में राष्ट्रीय सेवा भारती से संलग्नित 1255 संस्थाओं द्वारा सेवा कार्य चलाए जा रहे हैं।

सभी प्रान्त प्रतिनिधि एवं सहयोगी संस्थाओं द्वारा चलाये जा रहे सेवा कार्यों की संख्या

शिक्षा – 12035,
स्वास्थ्य – 11936,
सामाजिक – 11221
स्वावलंबन – 6763,
कुल – 41,955

वर्ष 2021–22 में आरंभ

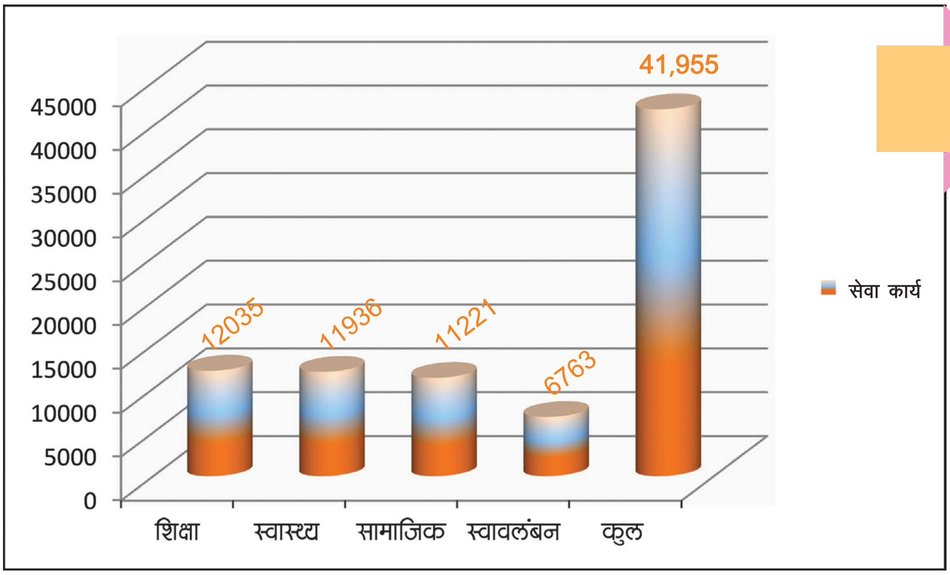

वर्ष 2021–22 में पूर्ण

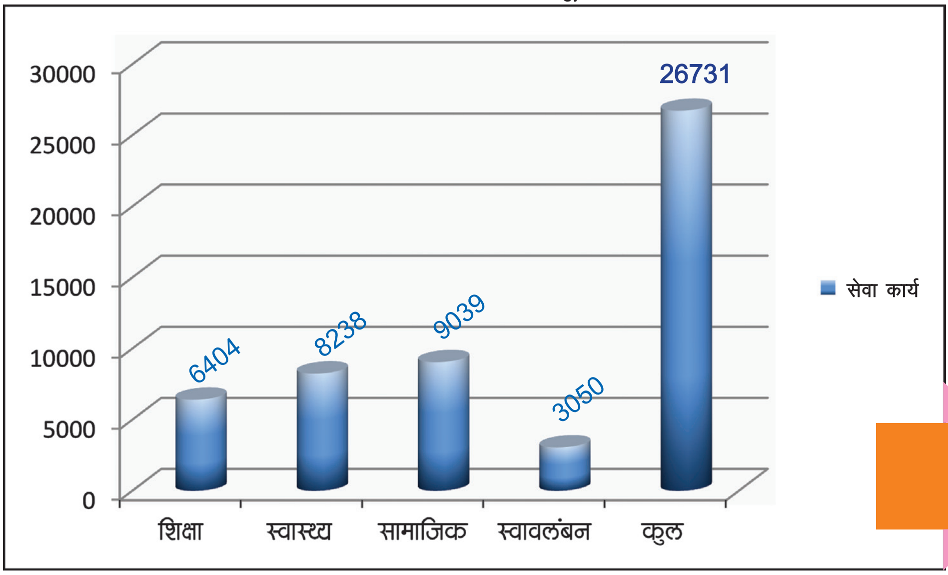

इस वर्ष संपन्न सेवा उपक्रमों का वृत्त

शिक्षा – 6404
स्वास्थ्य – 8238
सामाजिक – 9039
स्वावलंबन – 3050
कुल – 26731

दृष्टिकोण

स्वैच्छिक संस्थाओं और समर्पित कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास द्वारा देश के पिछड़े, पीड़ित, अवसरों से वंचित और अभावग्रस्त बंधुओं को शिक्षित, स्वावलंबी और सशक्त कर एक सुदृढ़ राष्ट्र तथा समरस समाज का निर्माण करना।

सेवा परमो धर्मः

उद्देश्य

अपने साथ संलग्नित स्वयंसेवी संस्थाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान कर तथा सामूहिकता का भाव जागृत कर जागरण, सहयोग, प्रशिक्षण एवं अध्ययन द्वारा उनका कौशल बढ़ाना।

मूल्य
सेवा
समर्पण
राष्ट्रीय एकता
पारदर्शिता

प्रेरणाश्रोत

समाज की वर्तमान स्थिति कैसी है? एक तूफान चल रहा है, गर्जना हो रही है, कोलाहल सुनाई दे रहा है कि आर्थिक समस्या है, कोई कहता है सामाजिक प्रश्न है, कोई कहता है शिक्षा की कमी है, किंतु, समस्याओं के समाधान के लिए कोई आगे नहीं बढ़ता। इस अवस्था में संघ के स्वयंसेवक आगे बढ़कर समाज की समस्याओं को सेवाकार्यों के द्वारा पीड़ित व वंचित वर्ग में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन के माध्यम से सुदृढ़ और समृद्ध कर समाज–परिवर्तन का दायित्व निभाएँ।

–बालासाहब देवरस

How is the current state of society? The strom is going on, the roaring is happening, the clamour, that there is an economic problem is heard. Someone says that this is a social question. Some say that there is lack of education. But nobody goes ahead to solve these problems. At this stage, Swayamsevaks of the Sangh should come forword to address society's tarbulent problems through dedicative service endeavours in the field of education, health care and self-reliance for porsperity of distressed and deprived section of the society and own responsibility of "Social Change".

- Balasabeb Deoras

न्यास मण्डल बैठक

- न्यास मंडल की वर्ष में 04 बैठकें होती हैं।
- कोविड के कारण जारी हुई सरकारी दिशा–निर्देशों के आलोक में प्रत्यक्ष बैठक नहीं की जा सकती थी। अतः वित्तीय वर्ष 2021–22 में शुरूआती 3 न्यास बैठकें (पहली बैठक–1 मई 2020, दूसरी बैठक–अगस्त 2020, तीसरी बैठक अक्टूबर 2020) ऑनलाईन की गई एवं चौथी बैठक प्रत्यक्ष रूप से 26 जनवरी 2021 को की गई। ऑनलाईन बैठकों में न्यासियों की उपस्थिति अधिकतम रही, प्रत्यक्ष बैठक अखिल भारतीय सेवा प्रमुख माननीय पराग अभ्यंकर जी के सानिंध्य में हुई जिसमें 12 न्यासी सहित प्रबंधन समिति के कुल 22 सदस्य उपस्थित रहे।

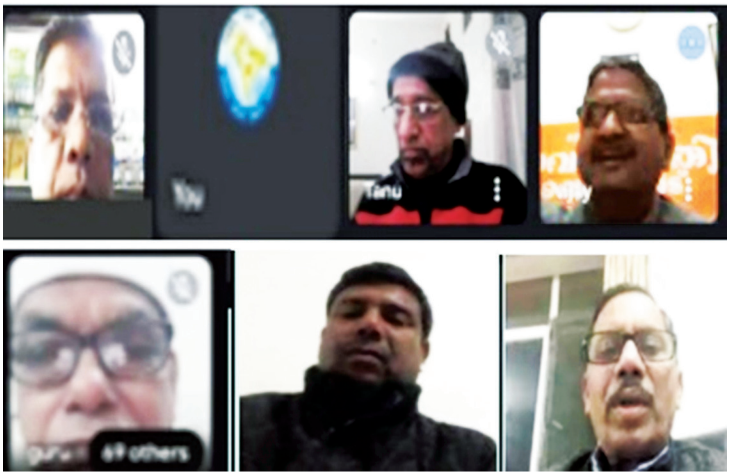

- 06, 07, 08 फ़रवरी 2022 को उत्तर गुवाहाटी में सम्पन्न बैठक में न्यासियों की उपस्तिथि सर्वाधिक रही।

सेवागाथा

- संघ के स्वयंसेवकों की ममतामयी स्वरूप को जन–जन तक पहुँचने की दृष्टि से संघ के सेवा विभाग द्वारा Hosted एक वेबसाइट (www.sewagatha.org) पर समाज परिवर्तन के सफल प्रयोग का विवरण देश भर में 06 भाषाओं (अंग्रेजी, हिंदी, गुजराती, कन्नड़, मराठी और तेलुगु) में उपलब्ध है। कहानी का स्वरूप छोटा है, लेकिन भाव मार्मिक एवं गंभीर है। ये सच्ची कथाएं समाज में प्रेरणा प्रदान करने एवं सेवा की भावना बढ़ाने में बड़ी सहायक हैं।

सहयोग

कोविड काल में सेवा कार्य

- वर्तमान स्थिति को देखते हुए, ऐसा लगता है कि कोविड –19 बदलते स्वरूप के साथ अभी और चलेगा। निश्चित रूप से देशवासियों के अदम्य साहस और परिश्रम से हम सफल होंगे। हम सभी को अपने साथी देशवासियों पर भरोसा है। विशेष रूप से डॉक्टरों, सुरक्षाकर्मियों, सफाई कर्मचारियों तथा व्यवसायी वर्ग पर जिनके अनवरत परिश्रम से हम सभी सुरक्षित रहे। उन सभी को हमारा नमन। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.rashtriyasewabharati.org का अनुसरण किया जा सकता है।
- कोविड –19 आपदा के समय राष्ट्रीय सेवा भारती ने सबसे पहले कोरोना से बचाव हेतु सामाजिक जागरण पत्रक बनाकर संस्थाओं के माध्यम से समाज को जागरूक करने का कार्य किया। राष्ट्रीय सेवा भारती ने प्रांतीय प्रतिनिधि संस्थाओं के साथ मिलकर सभी सक्रिय सम्बद्ध संस्थाओं को सहयोग दिया इसमें प्रशासन

कोविड आपदा में सेवा कार्य

15 मई 2021 तक

हेल्पलाईन सेंटर्स
3770स्थानों पर

वेक्सिनेशन
3770 स्थानों पर
टीकाकरण संख्या 14,89,168
सहयोग प्रेरणा 4773 स्थानों पर
सेवारत कार्यकर्ता 22,274

आइसोलोशन केन्द्र
287 शहरों में
पलंग संख्या 9838
सेवित जन 9436
स्वयंसेवी कार्यकर्ता 3194

कोविड केयर केन्द्र
118 शहरों में
पलंग संख्या 7476
सेवित जन 19,379
ऑक्सीजन युक्त पलंग 2285
कार्यकर्ता 3189

सरकारी कोविड केयर केन्द्र में सहयोग
762 शहरों में
819 केन्द्रों में
कार्यकर्ता 6030

ऑनलाईन डॉक्टरी सलाह
1399 स्थान पर
सक्रिय डॉक्टर्स 4445
सेवित जन 1,51,257

संक्रमित परिवारों / व्यक्तियों को भोजन
3315 स्थान पर
5,37,436 पैकेट

रक्तदान
1256 स्थान पर
रक्त यूनिट 43,972

प्लाज्मा दान
426 स्थान पर
सेवित जन 4193

आयुर्वेदिक काढ़ा वितरण
5921 स्थान पर
सेवित जन 40,51,068

समुपदेशन केन्द्र
1242 स्थान पर
सेवित जन 75,751

अंत्यसंस्कार में सेवा
816 स्थान पर

शव वाहन सेवा
303 स्थान पर

से तालमेल स्थापित कर सरकार से आवश्यक अनुमति प्राप्त की गई जिससे इन संस्थाओं को कोरोना काल में प्रभावी कार्य करने में सुविधा हुई। राष्ट्रीय सेवा भारती ने अपनी वेबसाइट के माध्यम से इन संस्थाओं के कार्यों को समाज के सामने रखा। इन संस्थाओं को बैठक के माध्यम से जोड़ने का कार्य किया गया जिससे संस्थाएं एक दूसरे की सहायता कर सकें तथा अनुभवों से सीख सकें।

- देश भर के सभी प्रान्तों में **ऑक्सीजन बैंक** की व्यवस्था की गयी।
- राष्ट्रीय सेवा भारती की प्रांतीय प्रतिनिधि संस्थाओं को वेंटीलेटर, ऑक्सीजन सिलिंडर, मेडिकल किट, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीनों का वितरण किया गया।
- 20 प्रान्तों के 64 अस्पतालों में **200 वेंटीलेटर** वितरण किये गये।

महिला सहभागिता

- सभी 45 प्रांतों के सेवा कार्यों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व रहा है।
- कोरोना काल में हमारी बस्ती व मध्यम वर्ग की बहनों की स्थिति चिंताजनक हो गई थी। बहनों को उत्सवों में उपयोग में आने वाले सामानों को बेचने के लिए प्रेरित किया गया। बिजली की झालर, रक्षाबंधन पर **रक्षा सूत्र** (वैदिक राखी) बनाना, जन्माष्टमी पर भगवान के वस्त्र बनाना, दिवाली पर मिठाई, दीप सज्जा, आँचार,

बड़ी, पापड़ इत्यादि बनाना, सिलाई–कढ़ाई में मास्क बनाना, डॉक्टरों के गाउन बनाना, तकिए के कवर आदि सिलने का प्रशिक्षण भी दिया गया और सामानो की बिक्री में भी सहयोग किया गया। इससे संकट की घड़ी में बहनों को आय का साधन, आत्मविश्वास व बल मिला और स्वावलंबी होने में सहयोग प्राप्त हुआ। वर्तमान में भी लाखों की संख्या में मास्क बनाए जा रहे हैं। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी इस वर्ष विशेष

कार्य किया गया। भावनात्मक ट्रामा को दूर करने हेतु मनोसखी व दूरभाष मित्रों द्वारा बड़ी संख्या में काउंसलिंग का काम पूरे भारत में किया गया। इंदौर, आगरा आदि कई स्थानों पर किशोरी विकास केंद्रों की बालिकाओं द्वारा कुछ बड़े कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ जिसमे 332 किशोरियों ने भाग लिया। किशोरियों द्वारा योग, दंड चलाने एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

- इस वर्ष विशेष योजना के तहत जन–जागरण का भी कार्य किया गया, जिसमें कोरोना से बचाव के लिए बार–बार हाथ धोना, मास्क लगाकर बाहर जाना, वैक्सीन लगवाना और काढ़ा व घरेलू चीजों से रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करना रहा। कुछ ऑनलाइन और कहीं–कहीं पर प्रत्यक्ष बस्तियों में जाकर यह कार्य किया गया।

किशोरी विकास

समाज की किशोरियां जो भविष्य की माताएं हैं व समाज की दिग्दर्शिकायें हैं, वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए उन्हें हर प्रकार से सक्षम, विवेकशील, संस्कारवान व तेजोमयी बनाने का कार्य समर्थ किशोरी विकास योजना के अन्तर्गत सतत चलने वाले केन्द्रों के माध्यम से देश भर में चलाया जा रहा है। पूरे देश में लगभग **3 हजार** केन्द्र चल रहे हैं। जिनमें, आत्मविश्वास से परिपूर्ण, विभिन्न कौशलों में दक्ष, मर्यादित व जगरूक किशोरियां तैयार होकर समाज में अपनी अलग पहचान बना रही हैं।

इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, आत्मरक्षा, हितरक्षा इत्यादि विषयों को लेकर प्रबोधन व प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे इनका संपूर्ण विकास हो। इसके अंतर्गत शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक विकास पर विशेष ध्यान केंद्रित रहता है। स्वावलंबन में मेहंदी रचना, ब्यूटी पार्लर, राखी निर्माण, झालर निर्माण, हर्बल रंग, दीपक सज्जा इत्यादि सिखाया जाता है। संस्कार पक्ष में हिंदू वैदिक संस्कार, प्राचीन परंपरा, रीति–रिवाज, आधुनिकता की चकाचौंध से मुक्त भारतीय संस्कृति, सामाजिक समरसता आदि सिखाया जाता है।

वैभवश्री

वैभवश्री का उद्देश्य समूहों के माध्यम से समूह के सदस्यों के आर्थिक सशक्तिकरण के साथ सामाजिक एवं राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने का है। 'वैभवश्री' समूह के सदस्यों को समाज एवं राष्ट्र सेवा करने के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित करती है।

वैभवश्री कार्यवृत

- **वैभवश्री के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा भारती से सम्बद्ध संथाओं के द्वारा 9240 स्वयं सहायता समूह संचालित हो रहे हैं।**
- **स्वावलंबन हेतु प्रशिक्षण** में कौशल के कुल **73** प्रशिक्षण हुए। जिसमें दीपक निर्माण के **30**, पूजन सामग्री निर्माण के 26, राखी निर्माण के **07** और सीरिज लाइट निर्माण के **10** कौशल प्रशिक्षण हुए।
- **बैठक** : वैभवश्री की कुल **13** बैठकें हुईं। जिसमे **11** ऑनलाइन, **02** प्रत्यक्ष बैठकें हुई।
- **प्रान्त टोली का गठन** : वर्ष 2021 तक **45** प्रान्त में कुल **28** प्रान्तों में वैभवश्री की प्रान्त टोली का गठन हो चुका है।

जागरण

संलग्न संस्थाओं के साथ बैठक : अप्रैल माह में राष्ट्रीय सेवा भारती की दो चरणों में प्रांतीय सेवा संस्था तथा संलग्नित संस्थाओं के साथ बैठकें हुई। बैठक का उद्देश्य उनके द्वारा कोरोना काल में चलायें जा रहे

सेवा कार्यों की जानकारी लेना, उनकी समस्याओं को समझना तथा उनका उत्साहवर्धन करना था। इस बैठक के दौरान राष्ट्रीय सेवा भारती तथा संलग्न संस्थाओं के बीच एक प्रभावी संवाद कायम हुआ।

प्रकाशन

- मासिक ई–पत्रिका का प्रकाशन अक्टूबर 2020 से किया जा रहा है। अभी तक 14 ई–पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जा चुका है। यह पत्रिका, अपनी संलग्नित संस्थाओं को, अखिल भारतीय अधिकारियों को, दानदाताओं को, ई–माध्यम से भेजी जा रही हैं।

कॉफ़ी टेबल बुकलेट

- अखिल भारतीय स्तर पर कोरोना काल खंड में किये गये कार्यों की एक कॉफ़ी टेबल बुकलेट **"वयं राष्ट्रांगभूता"** का प्रकाशन किया गया है।
- सोशल मिडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए 30 मिनट, 10 मिनट एवं 05 मिनट के कई विडिओ अपलोड किये गये हैं।

प्रशिक्षण

राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा ऑनलाइन प्रशिक्षण

• सरकार द्वारा विगत एक वर्ष में स्वयंसेवी संस्थाओं से सम्बंधित नियमों में कई बदलाव किये गये हैं। राष्ट्रीय सेवा भारती ने सम्बद्ध संस्थाओं को जागरूक करने हेतु प्रान्तशः 43 बैठकें आयोजित की गई। कुल 780 संस्थाओं से 1576 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस बैठक द्वारा ITAct, SSE, Niti Aayog Registration, FCRA, CSR में सरकार द्वारा किये गये नियमों में बदलाव के लिये सभी संस्थाओं को जानकारी दी गई।

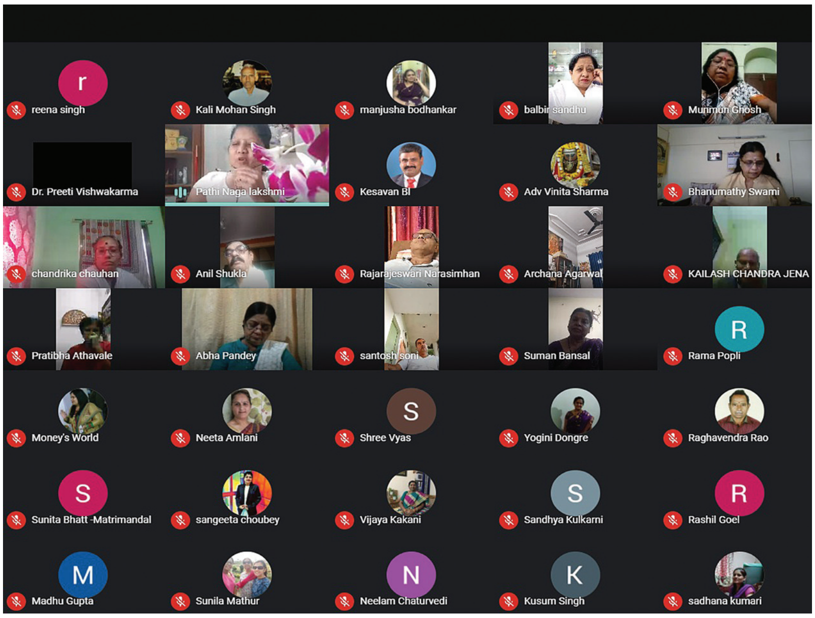

महिला ब्रैस्ट कैंसर जागरूकता विषय पर एक दिवसीय वैबिनार

• राष्ट्रीय सेवा भारती के द्वारा उत्तर भारत के पांच राज्यों की महिलाओं के लिए ब्रैस्ट कैंसर जागरूकता विषय पर आनलाईन जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें विभिन्न राज्यों की 60 महिलाओं ने भाग लिया तथा इस विषय पर कार्य कर रहे विशेषज्ञों के विचार सुने।

नवाचार

- **चिदाग्नि** : कोरोना के संकट काल में दाहसंस्कार करने में भी कठिनाईयां हुई। सेवा भारती केरल द्वारा दाहसंस्कार करने का एक नया प्रयोग प्रारम्भ किया गया, जिसमे गाड़ी पर गैस चैम्बर के माध्यम से दाहसंस्कार करने का कार्य किया गया। दाहसंस्कार की इस विधा को अन्य पूजा पद्धति के लोगो ने भी अपनाया।

एजपीजी चालित मोबाइल चिदाग्नि कक्ष

आगामी कार्य योजना

- आगामी वर्षों में राष्ट्रीय सेवा भारती, प्रांतीय प्रतिनिधि तथा सम्बद्ध संस्थाओं के साथ मिलकर कुपोषण, आपदा के पूर्व, दौरान एवं उपरांत आपदा प्रबंधन, कुटुंब प्रबोधन, समरसता एवं पर्यावरण संरक्षण इन पांच विषयों पर कार्य करेगी। आगामी तीन वर्षों में NMO तथा राष्ट्रीय सेवा भारती साथ मिलकर भारत को कुपोषण मुक्त बनाने की दिशा में कार्य करेंगी।

पुरस्कार

● कोरोना काल के अन्दर राष्ट्रीय सेवा भारती के प्रान्त प्रतिनिधि एवं संलग्नित संस्थाओं द्वारा देश के अन्दर किये गए सेवा कार्यों की जानकारी हमारे समाज को प्रेरित करे, इस दृष्टि से India Today Group ने BEST NGO of the year 2019 पुरस्कार से राष्ट्रीय सेवा भारती को सम्मानित किया।

● वर्ष 2020 में प्रवासी मजदूरों को फूड पैकेट और मेडिकल किट प्रदान किया गया, इसे World Book of Record में सम्मिलित किया गया।

अन्य विशेष कार्य

● दिल्ली सेवा भारती ने **"अपराजिता"** नाम से परोपकार से हटकर एक कदम और आगे बढ़कर काम किया है। देहबिक्री में लगी बहनों की बालिकाओं के लिए एक छात्रावास की शुरुआत की है, इसमें अभी 07 बालिकाएं शिक्षा एवं संस्कार प्राप्त कर रही हैं। आगे चलकर यह समाज की मुख्य धारा में घुलमिल जायेंगी।

● **उत्कर्ष** : देहबिक्री में लगी बहनों के लिए एन एम ओ के साथ मिलकर एक डिस्पेंसरी की शुरुआत की गई है।

राष्ट्रीय सेवा भारती के दो बड़े प्रकल्प दिल्ली में चल रहें हैं। पहला प्रकाशानंद सेवाधाम, वज़ीराबाद। दूसरा झिन्झोली स्थित सेवा साधना केंद्र। इसका निर्माण पूरा हो चुका हैं। इसमें 500 लोगों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गयी है। वर्तमान में ग्राम–विकास से संबंधित प्रशिक्षण के कार्य किये जा रहे हैं।

सेवा साधना केंद्र, झिन्झोली

भारत माता मंदिर

अध्ययन

सुपोषित भारत

- भारत का हर व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ हो तभी भारत का संपूर्ण विकास संभव है। राष्ट्रीय सेवा भारती ने इसी दिशा में अपना कदम बढ़ाया है। भारत के सामने कुपोषण (Malnutrition) एक बहुत बड़ी चुनौती है। आंकड़ों के अनुसार तकरीबन एक तिहाई जनसंख्या कुपोषण का सामना कर रही है। 40 प्रतिशत बच्चों को पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक भोजन नहीं मिल पाता है। वर्ष 2019 में UNICEF से एक रिपोर्ट जारी की गई जिसमें राज्यों में 5 साल तक के बच्चों की मौत का सबसे बड़ा कारण कुपोषण रहा। पोषण में कमी के कारण स्टंटिंग (उम्र के अनुसार बच्चों का विकास नहीं होना) एक बड़ी चुनौती है। गरीबी, आसपास का अनुपयुक्त वातावरण, अशिक्षा, अस्वच्छता, शुद्ध पेय जल का अभाव, विरुद्ध आहार–विहार, मलिन जीवन शैली, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता में कमी, ये सभी कुपोषण के लिए जिम्मेदार हैं।

- 0 से 8 वर्ष के बच्चों, 9 से 16 वर्ष की किशोरियों और गर्भवती महिलाओं का सर्वे कर जो कुपोषित पाये जायें उनको सुपोषण के प्रति जागरूक बनाने की योजना **राष्ट्रीय सेवा भारती** ने तैयार की है। प्रथम चरण में 20 सेवा बस्तियों में 2000 परिवारों पर काम करने का विचार किया है। एम्स के डॉक्टर संजय राय जी की देखरेख में यह कार्य किया जा रहा है। सुपोषित भारत अभियान के लिए जन–जागरण करना जरूरी है। हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा, समाज को जागृत करने की आवश्यकता है। सुपोषित भारत अभियान एक अच्छा प्रयास है। भारत का जन–जन स्वस्थ होगा। तभी भारत की तरक्की में वह अपना संपूर्ण योगदान दे सकेगा। हमने समाज के सभी वर्गों से अपील की है कि हम सब मिलकर इस अभियान में सहयोग करें और इस को सफल बनाएं। एक सुपोषित भारत का निर्माण करें। इस प्रकार देश के विविध प्रांतों में सेवा संस्थाओं द्वारा चलाये जा रहे कुपोषण निवारण के कार्य के अनुभवों के आधार पर सुपोषित भारत की समग्र योजना तैयार की जा रही है।

आपदा

• प्राकृतिक आपदा की स्थिति में राष्ट्रीय सेवा भारती से जुड़ी संस्थाएं सदैव सक्रिय रहती हैं। पिछले दिनों पश्चिम बंगाल एवं ओडिशा में आए तूफान एवं बाढ़ से प्रभावित जिलों में राहत एवं बचाव कार्य किया गया। जिसमें, दोनो प्रान्तों में 1–1 लाख फूड पैकेट भेजे गए। समाज को साथ जोड़कर पीड़ितों की सहायता एवं पुनर्वास पर कार्य चलता है। 5 कार्यकर्ताओं की अखिल भारतीय समिति बनी है। Police, NDRF के प्रशिक्षण देने वाले कार्यकर्ता हमारे साथ जुडे हैं। आपदा के बाद पुनर्वास व्यवस्था हेतु भी प्रशिक्षण दिया जाता है। आपदा पूर्व तैयारी के लिए जागरूकता कार्यक्रम लिये जाने हैं।

● **मैनागुड़ी रेल हादसा:** जलपाईगुड़ी जिले के मैनागुड़ी में 13 जनवरी 2022 को भीषण रेल दुर्घटना हुई। बीकानेर गुवाहाटी एक्सप्रेस के कई डिब्बे पटरी से उतरे। हादसे के बाद से स्वयंसेवक व सेवा भारती के कार्यकर्ताओं ने रात भर तथा अगले दिन 14 जनवरी को सुबह से ही पानी, चाय, गर्म पानी और सूखा भोजन वितरित कर सेवा कार्य जारी रखा। घायलों से बात कर उनके घरों पर संपर्क कराना, रक्तदान की व्यवस्था करना, सूखे भोजन की व्यवस्था करना और घायलों को अस्पताल में भरती कराना इत्यादि के लिए जलपाईगुड़ी तथा सिलीगुड़ी नगर के कार्यकर्ताओ ने सक्रिय होकर कार्य किये।

● **हिमाचल में भीषण आगजनी :** पिछले वर्ष हिमाचल प्रदेश के दो गाँव मलाणा/मछाना के जंगल में भीषण आगजनी हुई। जिसमे दोनों गाँव के सैकड़ों घर जल कर राख हो गए। सर्दी के मौसम में जलाने के लिए लकड़ी और रहने की व्यवस्था/आने जाने की सुविधा नहीं होने से अधिक विषम स्थिति आ गई। इस स्थिति में राष्ट्रीय सेवा भारती ने गाँव में गर्म कपडे, बिस्तर, दवाइयां, गैस सिलिंडर, गैस चूल्हा और बच्चों के लिए पढ़ाई का सामान वितरित किया। उनके पुनर्वास का भी कार्य किया।

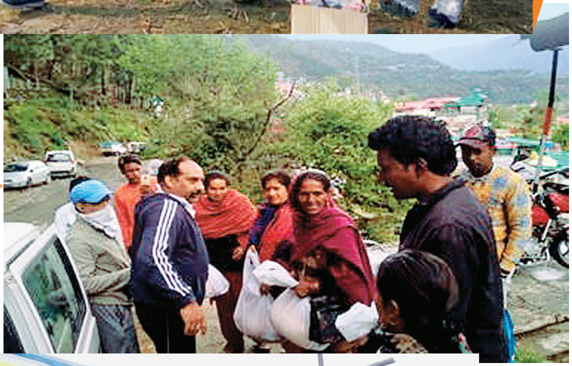

राष्ट्रीय सेवा भारती ट्रस्ट बोर्ड एवं कार्यकारिणी सूची

क्रमांक	नाम	दायित्व	ट्रस्टी	केन्द्र
1	श्री पन्ना लाल भंसाली 09810044590 pannabhansali28@gmail.com	अध्यक्ष	ट्रस्टी	दिल्ली
2	श्री ऋषिपाल सिंह डडवाल 09818976734 dadwal.rishi@yahoo.co.in	उपाध्यक्ष	ट्रस्टी	दिल्ली
3	श्रीमती अमिता जैन 09425077111 amitasewa25@gmail.com	उपाध्यक्षा	ट्रस्टी	भोपाल
4	श्री सुधीर कुमार 9034203636 sudhir1925@gmail.com	संगठन मंत्री	–	दिल्ली
5	श्री श्रवण कुमार 9810041973 gangamoti11@gmail.com	महामंत्री	ट्रस्टी	दिल्ली
6	श्री विजय मनोहर पुराणिक 9920045500 puranikvm@gmail.com	संयुक्त महामंत्री	ट्रस्टी	भोपाल
7	डॉ. रामकुमार जी 9312936897 dr_kumar_ram@yahoo.com	सह–मंत्री	ट्रस्टी	दिल्ली
8	श्रीमती चन्द्रिका शम्भू सिंह चौहान 09422069455 udyogvardhini@gmail.com	सह–मंत्री	ट्रस्टी	सोलापुर
9	श्री अनिल महेश्वरी 98101052105 anil.maheswari@akmc.in	कोषाध्यक्ष	ट्रस्टी	दिल्ली
10	श्रीमती रेणु पाठक 09810704180 renupathak17@gmail.com	महिला प्रमुख	ट्रस्टी	गुडगाँव
11	श्रीमती रमा पोपली 8986699089 ramapopli@gmail.com		ट्रस्टी	रांची

राष्ट्रीय सेवा भारती ट्रस्ट बोर्ड एवं कार्यकारिणी सूची

क्रमांक	नाम	दायित्व	ट्रस्टी	केन्द्र
12	श्रीमती भानुमती 9442422832, 9360698781 subhaswami2000@gmail.com		ट्रस्टी	मदुरै
13	श्री कैलाश चन्द्र शर्मा 9414455497 sevabhartijpr@gmail.com		ट्रस्टी	जयपुर
14	श्री रामेन शर्मा 9435513773 ramensaram.sarma87@gmail.com		ट्रस्टी	गोहाटी
15	श्री बी. मंगला मुरुगन 9443338433 mangalamuuganb@gmail.com		ट्रस्टी	तमिलनाडु
16	श्री सतीश चन्द्र अग्रवाल 09319069105 sca048@gmail.com		ट्रस्टी	आगरा
17	श्री विनोद बिडला 9425055866 vinodtbirla@gmail.com		ट्रस्टी	इंदौर
18	मा पराग अभ्यंकर 09425091376 rssparag@gmail.com	मार्गदर्शक		बंगलुरू
19	मा राजकुमार मटावे 09425800119 rajkumarjbp1925@gmail.com	स्थायी आमंत्रित		मेरठ
20	श्री गुरूशरण प्रसाद 9431104644 saranguru@hotmail.com	संयोजक	विशेष आमंत्रित	कोलकाता
21	श्री सुन्दर लक्ष्मण 9443749595 sundarlakshaman55@gmail.com	संयोजक	विशेष आमंत्रित	भुवनेश्वर
22	श्री उदय जोगलेकर 9869070763 umajo53@gmail.com	मार्गदर्शक प्रचार–प्रसार	विशेष आमंत्रित	पुणे

राष्ट्रीय सेवा भारती

तीसरी मंजिल, बी.डी.–37, गली नं.–14,
फ़ैज रोड, करोल बाग, नई दिल्ली–110005
फोन नं. 9868245005, 011–23511777, 2353536
ई–मेल : rashtriyasewa@gmail.com
वेबसाइट : www.rashtriyasewabharati.org

Printed & Design: Aravali Printers & Publishers Pvt. Ltd., W-30, Okhla Industrial Area, Phase-II, New Delhi-110020